रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 93 इंदौर, बुधवार 2 अप्रैल 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

● गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में भीषण ब्लास्ट

एमपी के 18 मजदूरों की मौत, तीन गंभीर घायल

दो दिन पहले ही मजदूरी करने पहुंचे थे

बनासकांठा (एजेंसी)। गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। वहीं, 5 मजदूर मामूली रूप से घायल हैं। फैक्ट्री डीसा तहसील के धुनवा रोड पर है। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे। हादसे के शिकार सभी मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हरदा जिले के हंडिया गांव के रहने वाले हैं। फैक्ट्री से मिली जानकारी के मुताबिक सभी 2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए यहां आए थे और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से ये हादसा हुआ। इस हादसे में मारे गए सभी लोग मध्य प्रदेश से हैं। मरने वाली सभी मजदूर है। मामने की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि पहले बॉयलर फटा, फिर फैक्ट्री में आग लगी। आसपास के खेतों में भी लाश के चीथड़े मिले हैं। ये फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है।

राजस्थान में फैक्ट्री से गैस-लीक, तीन लोगों की मौत

60 से ज्यादा हुए थे बेहोश,2 की हालत गंभीर

जयपुर (एजेंसी)। ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित 3 की मौत हो गई। दो लोगों की हालत अब भी गंभीर है। हादसे से प्रभावित 60 से ज्यादा लोगों ब्यावर और अजमेर सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। गैस के असर से कई पालतू जानवर और आवारा कुत्तों की भी मौत हुई है। घटना ब्यावर थाने के बाड़िया क्षेत्र की सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात की है। फैक्ट्री के नजदीक के कई घरों को खाली करवाया गया है। इस हादसे में कंपनी मालिक सुनील सिंघल (47) की मौत हो गई। वो रातभर गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया था। सोमवार रात को ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार सुबह दो और पीड़ित नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया। जेएलएन में दो मरीज अब भी गंभीर हालत में एडमिट हैं।

यज्ञ के लिए भिक्षा लेने निकलीं महिलाओं पर पत्थरबाजी

● कोडरमा में ड्रोन से छतों की तलाशी ले रही पुलिस, पत्थर होने का शक, इलाके में तनाव

कोडरमा (एजेंसी)। कोडरमा जिले के छतरबर गांव में यज्ञ के लिए भिक्षा मांगने निकली महिलाओं पर पत्थरबाजी की गई है। इस पत्थरबाजी के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है। हांलाकि एहतियातन इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई है। अभी स्थिति नियंत्रण में है। वहीं पुलिस इलाके की मॉनिटरिंग और घटना की जांच ड्रोन से कर रही है। जानकारी के अनुसार चेचाई गांव की महिलाएं यज्ञ के लिए मंगत

मांगने निकली थीं। इस दौरान छतरबर में कुछ असामाजिक तत्वों ने उन पर पत्थर फेंका। इसके बाद तनाव बढ़ गया। दरअसल चेचाई गांव में 9 से 17 अप्रैल तक महायज्ञ का आयोजन होना है। इसलिए गांव की 50-60 महिलाएं 7 गांवों से भिक्षा मांगने निकली थीं। इनमें से 11 महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर लाइन में चल रही थीं। छतरबर गांव से गुजरते समय दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने छत से पत्थर फेंका। इससे महिलाओं के सिर पर रखे कलश क्षतिग्रस्त हो गए। महिलाओं ने तुरंत मोबाइल फोन से अपने गांव के लोगों को सूचना दी। चेचाई के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

पश्चिम बंगाल में सिलेंडर ब्लास्ट, 8 लोगों की मौत

भाजपा का आरोप-बम बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा इलाके में 31 मार्च, यानी सोमवार देर रात सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। हादसे में मरने वालों की संख्या मंगलवार को 8 हो गई। पहले यह आंकड़ा 7 था। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 4 बच्चे और 4 महिलाएं शामिल हैं। सुंदरबन जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि हादसा ढोलाघाट गांव में रात 9 बजे का है। मरने वाले एक ही परिवार के हैं। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में 2 गैस सिलेंडर में ब्लास्ट की जानकारी है। वहीं भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यहां क्रूड बम बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी।

मेरे छोटे-छोटे बच्चे हैं टांग में रॉड भी डली है

● उम्रकैद की सजा मिली तो जज के सामने गिड़गिड़ाने लगा पादरी बजिंदर

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब के मोहाली की जिला अदालत ने रेप केस में दोषी पाए गए पादरी बजिंदर सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत की ओर से उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद दोषी बजिंदर सिंह रहम की भीख मांगने लगा। वह अदालत के सामने गिड़गिड़ाने लगा। हालांकि, पुलिस उसे कस्टडी में लेकर रवाना हो गई। इस मामले में पीड़ित के वकील ने बताया कि कोर्ट ने बजिंदर को सजा सुनाते हुए कहा कि उसे अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। सजा से बचने के लिए पादरी बजिंदर कोर्ट में गिड़गिड़ाने लगा। उसने कहा कि मेरे बच्चे छोटे हैं और पत्नी बीमार है।

एमपी के सरकारी कर्मचारियों का ट्रांसपोर्ट-हाउस रेंट अलाउंस बढ़ा

साढ़े 7 लाख लोगों को फायदा, कंपनियां बनाकर सरकार चलाएगी बसें

भोपाल। मध्य प्रदेश के साढ़े सात लाख कर्मचारियों का परिवहन और गृह भाड़ा भत्ता (हाउस रेंट अलाउंस) 15 साल बाद बढ़ाया गया है। अब कर्मचारियों को 200 रुपए की जगह 384 रुपए परिवहन भत्ता (ट्रांसपोर्ट अलाउंस) दिया जाएगा। मंगलवार को मोहन कैबिनेट ने इसे मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दिव्यांग कर्मचारियों का भत्ता भी 350 रुपए से बढ़ाकर 675 रुपए कर दिया है। इससे सरकार पर 1500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार आएगा। वहीं, सरकार ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को भी मंजूरी दे दी है। अब एक से दूसरे शहर और दूसरे राज्य तक सरकारी बसें चलाई जाएंगी। नगरीय विकास और आवास विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग से भत्ता मिलता था, जिसे सातवें वेतन आयोग से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री सुगम बस परिवहन सेवा को भी मंजूरी- मोहन यादव कैबिनेट ने मुख्यमंत्री सुगम बस परिवहन सेवा को भी मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार ने तय किया है कि सुगम परिवहन सेवा के तहत बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। बस ऑपरेटर्स को इंगेज किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी तरह के नुकसान की संभावना न हो। एक होल्डिंग कंपनी बनाई जाएगी, जो पीपी मॉडल पर बसों का संचालन करेगी और उसका नियंत्रण होगा। कंपनी गठन के लिए 101 करोड़ रुपए दिए गए हैं, इसके बाद आगे राशि का इंतजाम किया जाएगा।

शिवपुरी में शराब दुकान हटाने के लिए विरोध शुरू: नपाध्यक्ष सहित महिलाओं का धरना शुरू; भाजपा नेता राठौर बोले-आंदोलन जारी रहेगा

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। नीलगर चौराहे पर स्थित देशी-विदेशी शराब दुकान को हटाने के लिए स्थानीय लोगों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। धरने में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, वार्ड 20 के पार्षद विजय शर्मा और भाजपा नेता हरिओम राठौर के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। सुबह 8 बजे से शुरू हुए धरने में प्रदर्शनकारियों ने शराब दुकान हटाने की मांग की है। पार्षद विजय शर्मा के अनुसार, दुकान के आसपास मंदिर और स्कूल हैं। इससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं। नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने जनता की मांग का समर्थन किया है। वह प्रशासन से जल्द निर्णय लेने की अपील करेंगी। पहले भी नगर पालिका ने दुकान हटाने का प्रयास किया था। भाजपा नेता हरिओम राठौर ने कहा कि जब तक दुकान नहीं हटेगी, शांतिपूर्ण धरना जारी रहेगा। धरने में शामिल पिस्ताबाई ने बताया कि उनके पति मजदूरी के पैसे शराब में खर्च कर देते हैं। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। एक अन्य महिला रामवती ने कहा कि उनके घर के पास की शराब दुकान के कारण शराबी चबूतरे पर बैठकर शराब पीते हैं। वे गाली-गलौज करते हैं, जिससे परिवार को परेशानी होती है।

अपना दल (एस) की बैठक में डॉ अखिलेश पटेल ने उठाई ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग

अनिल चौधरी

भोपाल। अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई की महत्वपूर्ण बैठक हाल ही में को इंदौर में आयोजित की गई। राष्ट्रीय समिति के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक का नेतृत्व राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम ने किया, जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव युवा मंच डॉ. अखिलेश पटेल भी शामिल रहे। बैठक में प्रदेश भर के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में मुख्य रूप से पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की गई। राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अखिलेश पटेल ने केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को आगे बढ़ाते हुए कहा कि "सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी के लिए आरक्षण को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।"

इसके अलावा, डॉ. पटेल ने निजी क्षेत्र की चौथी श्रेणी की नौकरियों में भी 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इन नौकरियों में अक्सर आउटसोर्सिंग के जरिए भर्तियां की जाती हैं, जिसमें आरक्षण का पालन नहीं किया जाता। उन्होंने सरकार से अपील की, कि ओबीसी वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

बता दें कि उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल अपना दल (एस) मध्य प्रदेश में भी अपनी जड़ें मजबूत कर रहा है। इस बैठक के माध्यम से पार्टी ने उन अटकलों पर भी लगाम लगा दी हैं जिसमें प्रदेश से पार्टी के निष्क्रिय होने की बात कही जा रही थी। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, ओबीसी आरक्षण और सामाजिक समरसता की मुखर समर्थक रही हैं। पार्टी ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर कई मुद्दों को उठाया है और वंचित वर्गों की आवाज़ को बुलंद किया है।

कलिकाल में मनुष्य को भगवत कथा मंगल प्रदान करती हैं - सुश्री पूजा जी शर्मा

देवगढ़ ! ग्राम बामनी मे सार्वजनिक रूप से चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक सुश्री पूजा शर्मा पुजापुरा ने कपिल अवतार, वराह अवतार एवं भगवान शंकर का पार्वती के साथ मंगल विवाह के प्रसंग पर चर्चा करते हुए कहा कि इस कलिकाल में मनुष्य को भगवत् कथा ही मंगल प्रदान करती है, तथा श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से हृदय रोग जैसी अनेक असाध्य बीमारी का भी इलाज हो जाता है ! कथा सुनने से जगत की सारी व्यथा दूर हो जाती है !

आज कथा के मे भगवान शंकर जी

और मां पार्वती के विवाह की सजीव झांकी प्रस्तुत की गई भगवान शंकर का रूप धारण कुमकुम सेधव ने किया था पार्वती का रूप धारण राजनंदनी सेंधव ने किया भागवत कथा की आरती के मुख्य यजमान कृपालसिह सेधव सहपत्नि ने की कथा में नगर व आसपास के सैकड़ों महिलाएं एवं पुरुष ने भाग लिया।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, बुधवार 2 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

6 अप्रैल को भाजपा स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर होंगे विभिन्न आयोजन

रंजीत टाइम्स

इंदौर।1अप्रैल 2025।जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी की वृहद संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने कहा कि 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय पर एवं सभी कार्यकर्ताओं के घर पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा फहराया जाएगा जिसके साथ सेल्फी लेकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कार्यकर्ताओं को शेयर करना है #BJP4vikshitbharat हेशटेग के साथ पोस्ट करना है साथी कार्यालय पर प्रदर्शनी लगाकर मिठाई वितरण भी किया जाएगा। 6 एवं 7 अप्रैल को मंडल स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के प्राथमिक सदस्यों द्वारा हर्षोल्लाह के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा आठ एवं 9 अप्रैल को विधानसभा स्तर पर एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करेगी जिसमें मंडल स्तर से लेकर सक्रिय सदस्य एवं सभी कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा साथी प्रदेश स्तर पर भी अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा जिसमें अलग-अलग तीन विषयों पर बात रखने के लिए तीन वक्ता नगर या फिर प्रदेश स्तर पर भेजे जाएंगे। जिसमें पहला विषय बीजेपी की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार तो वहीं दूसरा विषय भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन होगा एवं तीसरा विषय प्रधानमंत्री के रूप में माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ पिछले 11 वर्षों में विकसित भारत की यात्रा होगा और इन तीनों विषयों पर अलग-अलग वक्ता अपनी बात रखेंगे इसी प्रकार 7 से 13 अप्रैल के बीच एक बूथ स्तर सम्मेलन होगा जिसका नाम बस्ती चलो अभियान होगा और इसमें पार्टी के नगर और प्रदेश स्तर तक के सभी पदाधिकारी एक-एक बूथ पर जाएं और कम से कम 8 घंटे वह कार्यकर्ता उस मोहल्ले एवं बस्ती में वहां के रहवासियों के साथ व्यतीत करेगे एवं पार्टी द्वारा दिया गया टास्क जैसे की किसी सार्वजनिक स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाना एवं पार्टी द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के कम से कम 10 लाभार्थियों से मुलाकात करना है साथ ही अभियान के दौरान मंदिर,अस्पताल,स्कूल वह गलियों में स्वच्छता अभियान चलाना है एवं जल स्रोतों एवं निकायों की सफाई भी करना शामिल है संध्या के समय रह वासियों की चौपाल अनिवार्य रूप से लगाई जाएगी साथ ही वरिष्ठ नेताओं एवं आपातकाल में MISA के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों एवं कारसेवकों का सम्मान किया जाएगा साथ ही मंडल समितियां की बैठक भी ली जाएगी।

13 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जी की उनकी प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं परिसरों को सजाने के साथ ही शाम को दीपोत्सव मनाया जाएगा और 14 अप्रैल को डॉ अंबेडकर जी की जयंती पर उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ ही मिष्ठान वितरण भी किया जाएगा उसके पश्चात संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ भी किया जाएगा 15 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच जिले में डॉ भीमराव अंबेडकर जी पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा

इस अवसर पर नगर प्रभारी श्री तेजबहादुर सिंह चौहान ने कहा कि स्थापना दिवस कार्यक्रम एवं डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को हमें ज़मिनी स्तर पर उतरना है साथ ही श्री चौहान ने कहा कि डॉ.भीमराव अंबेडकर जी जैसे महापुरुष किसी एक जाति समुदाय के नहीं होते वे हम सबके और पूरे भारत के सम्मान एवं गौरव है 15 अप्रैल से 25 अप्रैल तक हमें मंडल स्तर तक बाबा साहेब द्वारा लोकसभा में दिए गए वाक्यांश उनके द्वारा लिखे गए लेख और संविधान में देश हित में लिखी गई बातों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करना है जिससे कि आमजन प्रेरणा ले सके। स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर नगर महामंत्री श्री सुधीर कोल्हे को संयोजक एवं श्री अशोक अधिकारी, श्री भारत पारीख एवं श्री निलेश चौधरी को सहसंयोजक बनाया गया है वही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर श्री घनश्याम शेर को संयोजक एवं श्री हरप्रीत सिंह बक्शी, श्री मुकेश राजावत एवं श्री राजेश शिरोडकर को सहसंयोजक बनाया गया है। इस अवसर पर विधायक श्री रमेश मेंदोला ,श्री गोलू शुक्ला,श्री मधु वर्मा,श्री महेंद्र हडिया,महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जीतू जिराती, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता,श्री विशाल पटेल, मध्य प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया, नगर महामंत्री श्री सुधीर कोल्हे,श्रीमती सविता अखंड,प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री दीपक जैन टीनू, प्रदेश प्रवक्ता श्री आलोक दुबे पूर्व नगर अध्यक्ष श्री कैलाश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इंदौर में मीणा समाज ने आराध्य देव भगवान मीनेष जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

इंदौर-महू-मध्यप्रदेश मीणा समाज उपाध्यक्ष जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया

मप्र मीणा समाज सेवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास रावत के नेतृत्व में समूचे प्रदेश में 31 मार्च से 15 अप्रैल तक मीनेष जन्मोत्सव महोत्सव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य मे जिलाध्यक्ष सत्यनारायण मीणा (रेलवे, सीटीआई) की अगुवाई में मीणा समाज सेवा संगठन इंदौर के तत्वावधान में इंदौर के रेलवे कम्युनिटी हॉल में मीनेष जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया। मुख्य अतिथि मप्र मीनेष कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष लालाराम मीणा थे। अध्यक्षता पूर्व विधायक व समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गणपत पटेल ने की। सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर भगवान मिनेषजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष सत्यनारायण मीणा ने देते हुए अतिथियों का परिचय दिया। तत्पश्चात जिला अध्यक्ष सत्यनारायण मीणा,मीणा समाज महिला जिलाध्यक्ष दीपा मीणा, रमेशचंद्र धनावत, सुनील मीणा,रामरतन मीणा, अनिल मीणा, चेतन मीणा पंकज मीणा, ज्योति मीणा, वर्षा मीणा सहित अन्य लोगों ने पुष्पमाला से अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रतिभावान विद्यार्थियों का प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा मे राजस्थानी लोकगीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि

लालाराम मीणा ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि मीणा बंधु ऐसा कोई भी ग़लत कार्य ना करें, जिससे समाज बदनाम हो। उन्होंने कहा कि समाज के लोग अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें। समाज के विकास के अच्छी शिक्षा आवश्यक है। पूर्व विधायक गणपत पटेल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम समाज की एकता और जाग्रति के लिए नितांत आवश्यक है। सामाजिक एकता से ही उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।श्री पटेल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर महानगर में समाज की धर्मशाला का निर्माण जरुरी है। जिलाध्यक्ष से इस दिशा में पहल करने का आग्रह करते हुए उन्होंने समाज को आश्वस्त किया कि मै भी अपनी टीम के सहयोग से धर्मशाला निर्माण में एक करोड़ की मदद करुंगा। भगवान मिनेषजी की ढोल-ढमाकों के साथ महा आरती हुई। स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मुख्य रूप से समाजसेवी रामसिंह मीणा (पीआरओ), मानसिंह रावत, देवेन्द्र मीणा, बलजीत सिंह,संतोष मीणा, धारासिंह मीणा (आयकर विभाग), डॉ रवि वर्मा, अनिल मीणा, नंदी मीणा, पत्रकार अजय बारवाल , पत्रकार हरिओम मीणा, प्रकाश मीणा, विजय मीणा, सुभाष मीणा, भगवानसिंह मीणा, जुगनू जादवसिंह धनावत, बाबूलाल मीणा,संजय मीणा, अजय धनावत, रमेश पटेल, अशोक मीणा सेठ, मनमोहन गुणावद, शेषराम मीणा, सुनील मीणा, सुभाष ताजी, निलेश मीणा, रोशन बारवाल, घनश्याम मीणा, युवा जिलाध्यक्ष नवीन मीणा सहित अन्य गणमान्यजन एवं स्वजातीय बंधु और माता-बहनें उपस्थित थीं।

सभी रणजीत परिवार से अनुरोध है मेरे पूज्य चाचा जी का देवलोक गमन 15 मार्च को हो गया है , जिसके संदर्भ में कल शोक सभा आयोजित की गई है , आप सभी से अनुरोध है कि किसी भी असुविधा के लिए में ये पोस्टर डाल रहा हूं , आपकी श्रद्धांजलि से मनोबल और मानसिक तनाव से परिवार मुक्ति का पर्याय बने यही कामना है ,

धन्यवाद

प्रवेश सिंह, रणजीत टाइम्स परिवार

शिक्षा का अर्थ है सीखना और सिखाना

जी. ए.सी.सी. में विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यान आयोजित

इंदौर। शिक्षा का अर्थ यह नहीं कि आपने कितने अधिक नम्बर प्राप्त किये है। शिक्षा का अर्थ है आपने क्या सीखा। जब तक आप अपनी क्षमताओं को नहीं समझेंगे शिक्षा का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।यह बात प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित हुए विशेष व्याख्यान के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. ममता चन्द्रश्वर ने विद्यार्थियों से कही। सोमवार को महाविद्यालय के कलाम सभागार में आयोजित हुए विशेष व्याख्यान में डॉ. ममता चन्द्रेश्वर ने कहा कि हम सबके अंदर असीम संभावनाएं छुपी हुई है शिक्षा उन संभावनाओं से हमारा परिचय कराती है। शिक्षा का असली अर्थ है सीखना और सिखाना। इस धरती की संस्कृति और सभ्यता को सहेजने और संजोने का कार्य जो करती है वो शिक्षा है। शिक्षा ही ऐसा हथियार है जिसके आधार पर मनुष्य स्वयं की रचना करता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में सशक्त होने के लिए शिक्षा प्राप्त करने की बात कहीं जाती है पर क्या जो लोग पढ़ नहीं पाए क्या वे सशक्त नहीं है? इस सवाल को समझने के पूर्व हमें शिक्षा को समझना होगा। क्या हम सिर्फ औपचारिक शिक्षा ही हासिल करना चाहते है जो हमें स्कूल-कॉलेजों में मिलती है? या हम अनौपचारिक शिक्षा को भी प्राप्त करना चाहते है जो हमारे चरित्र का निर्माण करती है। प्राचार्य ने प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज अगर विद्यार्थी कक्षा में रूचि नहीं ले रहे है तो क्या शिक्षा व्यवस्था ठप हो गयी है? या हमारे पढ़ाने के तरीके में सुधार की आवश्यकता है? या हम वो नहीं दे पा रहे है जो विद्यार्थी चाहते है। विद्यार्थियों के साथ हमें भी आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा की ओर रुख करना होगा जिससे विद्यार्थियों के चरित्र को बल मिले और देश को योग्य और सशक्त भविष्य मिले। जो पुस्तकों के ज्ञान के साथ परिवार के बड़ों से मिलने वाले ज्ञान का भी सम्मान करे तभी भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य पूर्ण होगा। कार्यक्रम का संचालन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस मौके पर प्रो. संध्या भार्गव, प्रो. संध्या भार्गव एवं बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. हरीश मिमरोठ ने किया।

दिव्यता एवं संस्कृति से परिपूर्ण भारतीय नववर्ष – DJJS द्वारा 'भारतीय नववर्ष' (विक्रम संवत 2082) को दिव्य धाम आश्रम, दिल्ली में आध्यात्मिक अनुष्ठानों एवं भक्तिमय उत्साह के साथ मनाया गया

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक व आध्यात्मिक धरोहर को जीवंत रखने हेतु 'दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान' द्वारा दिव्य धाम आश्रम, दिल्ली में 'भारतीय नववर्ष, विक्रम संवत 2082' का भव्य समारोह आयोजित किया गया। हिन्दू पंचांग के अनुसार 'विक्रम संवत' नव वर्ष के शुभारम्भ का प्रतीक है। समारोह में बड़ी संख्या में भक्तों व जिज्ञासुओं ने आत्म उत्थान हेतु भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगंतुकों में 'ब्रह्मज्ञान' की शिक्षाओं द्वारा आध्यात्मिक जाग्रति, नवीनीकरण व एकता के भावों को उजागर करना रहा। ताकि वे नववर्ष पर जीवन के परम लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शुभ संकल्प धारण कर सकें। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मज्ञानी वेद पाठियों द्वारा 'रुद्री पाठ' के साथ किया गया। डीजेजेएस के प्रचारकों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने उपस्थित भक्तजनों को दिव्य तरंगों से सराबोर कर उन्हें अपने भीतर दिव्यता से जुड़ने का सुअवसर प्रदान किया। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, डीजेजेएस) के शिष्यों व डीजेजेएस प्रतिनिधियों द्वारा विक्रम संवत में निहित आध्यात्मिक संदेश को उजागर किया गया। उन्होंने समझाया कि विक्रम संवत को मनाने का उद्देश्य उत्सवी आनंद के साथ गहन आध्यात्मिक चिंतन व सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जाग्रति को सम्मिलित किए हुए है। डीजेजेएस प्रतिनिधियों ने समझाया कि भारतीय नववर्ष का उत्सव स्वयं को सृष्टि की दिव्य लय के साथ जोड़ने का एक निमंत्रण है। आध्यात्मिक प्रवचनों में इस तथ्य पर बल दिया कि 'ब्रह्मज्ञान' मानव अस्तित्व के परम सत्य को जानने की कुंजी है। इस दिव्य ज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अहंकार, भ्रम व आसक्ति से ऊपर उठ परम चेतना के साथ ऐक्य का अनुभव कर सकता है। डीजेजेएस प्रवक्ताओं ने कहा कि अपने जीवन पर चिंतन करने, हृदय को शुद्ध करने व आध्यात्मिक विकास के प्रति नवीन शुभ संकल्पों को धारण करने हेतु 'विक्रम संवत' को शुभ मुहूर्त के रूप माना जाता है। डीजेजेएस वक्ता ने समझाया कि नववर्ष के शुभारंभ पर भक्तों को आत्म-चिंतन, ध्यान व भक्ति में संलग्न रहकर स्वयं को धर्म व आध्यात्मिक लक्ष्य के प्रति अग्रसर करना चाहिए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर सारगर्भित सत्संग प्रवचनों व मधुर भजनों के साथ साथ, सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित Mime प्रस्तुति भी शामिल थी। दिव्य ज्योति वेद मंदिर द्वारा महाकुंभ में रुद्री के मंत्रोच्चारण का रिकॉर्ड बनाने के

विलक्षण पलों पर आधारित एक विशेष सत्र भी रखा गया। इस सत्र ने दर्शाया कि कैसे आज दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी भारतीय संस्कृति को फिर से समाज में प्रतिष्ठित कर रहे हैं। कार्यक्रम में अनेक विशेष अतिथियों की उपस्थिति रही। उन्होंने भारतीय संस्कृति हेतु दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के मार्गदर्शन में DJJS के प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की। 'भारतीय नववर्ष' समारोह का समापन सामुदायिक भोज के साथ किया गया। श्री गुरु महाराज जी की शिक्षाओं को अपनाकर तथा ब्रह्मज्ञान की ध्यान साधना के प्रति कटिबद्ध होकर, सभी साधकों ने नवीन उत्साह के साथ कार्यक्रम से प्रस्थान किया।

अवैध हथियार सहित शातिर अपराधी पुलिस की गिरफ्त में

इंदौर। शहर में अपराधों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी चेकिंग व कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारीयों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के परिपेक्ष्य में पुलिस उपायुक्त अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजय नगर आदित्य पटले के दिशा-निर्देशन में पुलिस थाना विजय नगर द्वारा एक शातिर बदमाश को अवैध फायर आर्म्स सहित पकड़ा गया है। क्षेत्र में अवैधानिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना प्रभारी विजय नगर, निरीक्षक चन्द्रकांत पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सघन चैकिंग की जा रही थी। इसी कड़ी चेकिंग के दौरान विजय नगर पुलिस को दिनांक 30/03/2025 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुयी कि एक लडका शहीद पार्क सर्विस रोड के पास संदिग्ध अवस्था में खडा है। उक्त स्थान पर पुलिस टीम को रवाना किया गया जहां पर उक्त संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अभिषेक गोस्वामी निवासी रवि जागृति नगर विजय नगर इंदौर का होना बताया जिसकी तलाशी लेते पर उसके पास से एक अवैध देशी रिवाल्वर.32 एम.एम. व एक जिंदा राउण्ड मिला जिसे विधिवत जप्त कर अपराध क्रमांक 219/2025 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में विवेचना के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जा रही हैं तथा आरोपी से अवैध हथियार के स्त्रोत आदि के संबंध में पूछताछ की जा रही हैं। आरोपी लोडेड अवैध फायर आर्म्स सहित शहर में घूम रहा था, पुलिस उसे नही पकड़ती तो आरोपी के किसी बड़ी घटना के घटित कर सकने की संभावना थी, परंतु पुलिस की त्वरित कार्यवाही से शातिर बदमाश गिरफ्त में आ गया।आरोपी आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध सिरोंज जिला विदिशा, कोतवाली थाना जिला गुना और इंदौर के विजय नगर थाने में विभिन्न धाराओं में कई गंभीर अपराध पंजीबद्ध है।

बार परीक्षा-19 के हजारों परीक्षार्थियों के परिणाम रोके गए, संशोधित परिणाम के लिए नामांकन प्रमाण पत्र की आवश्यकता

इंदौर। अखिल भारतीय बार परीक्षा-19 में शामिल हुए हजारों परीक्षार्थियों के परिणामों को रोक दिया गया है। इन परीक्षार्थियों के परिणामों में ÷विथ-हेल्ड÷ लिखा हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे इनकी चिंता बढ़ गई है। अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष गोपाल कचोलिया ने बताया कि जिन परीक्षार्थियों के परिणाम रोक लिए गए हैं या जिनके परिणाम के साथ कोष्ठक में ÷अण्डरटेकिंग÷ दिखाई दे रहा है, उन्हें अब बार काउंसिल के पोर्टल पर अपना नामांकन प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। कचोलिया ने आगे बताया कि इन अभ्यर्थियों को अपनी पहचान के प्रमाण के रूप में नामांकन प्रमाण पत्र को ऑनलाइन पोर्टल पर जमा करने के बाद ही उनके संशोधित परिणाम अपडेट होंगे।

इस प्रक्रिया में लगभग 7 से 10 कार्यदिवस का समय लग सकता है, जिसके बाद ही इन परीक्षार्थियों के परिणामों को स्पष्ट किया जाएगा। इस समय परीक्षा में शामिल हुए हजारों अभ्यर्थी संशोधित परिणाम का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि कई परीक्षार्थियों के लिए यह परीक्षा उनकी पेशेवर यात्रा में अहम पड़ाव साबित हो सकती है। हालांकि, बार काउंसिल द्वारा उठाए गए इस कदम का उद्देश्य प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रमाणिक बनाना बताया गया है, ताकि केवल सही और सत्यापन योग्य अभ्यर्थियों को ही परीक्षा पास करने का अधिकार मिल सके। परीक्षा में जिन अभ्यर्थियों के परिणाम रोके गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द नामांकन प्रमाण पत्र को जमा करने की सलाह दी जा रही है ताकि वे जल्दी से अपना परिणाम प्राप्त कर सकें और अपने भविष्य की दिशा तय कर सकें। इस प्रक्रिया को लेकर परीक्षार्थियों में असमंजस की स्थिति बन गई है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि निर्धारित समय में सभी संबंधित परिणाम पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएंगे।

भूलने की वजह से होते हैं ज्यादातर वैवाहिक झगड़े

परंपरागत रूप से भूलना समय के साथ मस्तिष्क में दर्ज और संग्रहीत जानकारी के निष्क्रिय क्षय के रूप में माना जाता है। भूलना जरूरी नहीं कि दोषपूर्ण स्मृति का संकेत हो। एक बुद्धिमान स्मृति प्रणाली के लिए भूलना जरूरी है। इसके पक्ष में कुछ शोधकर्ता तर्क देते हैं कि मस्तिष्क के स्मृति तंत्र का जैविक लक्ष्य जानकारी को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क को सही निर्णय लेने में मदद करना है। स्मृति स्वयं अभी भी एक रहस्य है, लेकिन इसमें मूल रूप से मस्तिष्क में होने वाले शारीरिक परिवर्तन शामिल हैं जो पिछले अनुभवों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मनीष कुमार चौधरी

स्मृति का लक्ष्य बुद्धिमान निर्णय लेने का मार्गदर्शन करना है। सिर्फ सार को समझना विशेष रूप से बदलते परिवेश में सहायक होता है, जहां कुछ यादों के खो जाने से कई तरीकों से निर्णय लेने में सुधार होता है। भूलने में विफलता के परिणामस्वरूप अवांछित या दुर्बल करने वाली यादें बनी रहती हैं। भूलने की आदत से बचने की कोशिश में कुछ लोग यादों के महल बनाते हैं। लेकिन यह याद रखने की जरूरत है कि यादों के सबसे शानदार महल को भी कूड़ेदानों की जरूरत होती है। कुछ ऐसी यादें होती हैं जो हमें नहीं चाहिए और जिनकी हमें जरूरत नहीं होती। कई बार हम अपने जीवन की कुछ बातें भूलने का सचेतन प्रयास भी करते हैं या फिर उस बात के याद आने के बाद उससे परेशान दिखते हैं। कई मामलों में भूलना केवल स्मृति के किसी अंश को याद करने में असमर्थता को दर्शाता है। मस्तिष्क की उल्लेखनीय भंडारण क्षमता से पता चलता है कि इसमें एक कुशल सूचना प्रबंधन प्रणाली है, जो 'डेटा' निपटान विधियों से सुसज्जित है। यानी अतीत के ब्योरों को जरूरत के मुताबिक मस्तिष्क सहेजता या फिर निपटाता भी रहता है। शोधकर्ता मानते हैं कि निष्क्रिय तंत्र की तुलना में 'सक्रिय' भूलना स्मृति को मिटाने में अधिक

शक्तिशाली हो सकता है। सूचनाओं से भरी दुनिया में शोर को कम करने और बेकार विवरणों को त्यागने में सक्षम होना आवश्यक है, ताकि वे नई शिक्षा या विचारों तक व्यक्ति की पहुंच में बाधा न डालें। भूलने की क्षमता हमें प्राथमिकता तय करने, बेहतर सोचने, निर्णय लेने और पहले से अधिक रचनात्मक होने में मदद करती है। सामान्य भूलने की क्षमता स्मृति के साथ संतुलन में, हमें संग्रहीत जानकारी के दलदल से अमूर्त अवधारणाओं को समझने के लिए मानसिक लचीलापन देती है, जिससे हम पेड़ों के बीच जंगल देख पाते हैं।

जीवन में व्यस्त रहने के साथ-साथ, मस्तिष्क को सक्रिय रूप से भूलने में मदद करने का एक और तरीका आक्रोश, द्वेष और पिछली निराशाओं को जाने देने का सचेत निर्णय लेना है। जितना अधिक हम किसी दुखद याद पर ध्यान देते हैं या यादों के आसपास की घटनाओं पर चिंतन करते हैं, स्मृति के आसपास 'न्यूरोनल संपर्क' उतने ही मजबूत होते हैं। पुरानी कहावत है- 'माफ करने के लिए हमें भूलना पड़ता है।' ज्यादातर वैवाहिक झगड़े भूलने की अक्षमता से सामने आते हैं। अगर कोई ऐसी दवा बना सकता है जो अपमान को जल्दी भुला सके, तो जीवन बेहद आनंददायक हो सकता है। यह अलग प्रश्न है कि इससे किसी का अपमान करना सामान्य व्यवहार की एक सहज गतिविधि हो जाए। मगर किसी अपमान की वजह से जीवन रुक जाए, यह भी उचित नहीं।

मनोवैज्ञानिक शोधों में पाया गया है कि लगभग छप्पन फीसद जानकारी एक घंटे के भीतर, छियासठ फीसद एक दिन के बाद और पचहत्तर फीसद छह दिनों के बाद किसी न किसी रूप में भूल जाती है। भूलना उस जानकारी में कमी या बदलाव है जो पहले अल्पकालिक या दीर्घकालिक स्मृति में संग्रहीत थी। मस्तिष्क सक्रिय रूप से उन यादों को छांटता है जो अप्रयुक्त हो जाती हैं। जैसे-जैसे यादें जमा होती हैं, जो फिर से प्राप्त नहीं होती हैं, वे आखिरकार खो जाती हैं। मानव मस्तिष्क एक ऐसा 'पावर हाउस' या ऊर्जा तंत्र है जो हमारे द्वारा किए गए हर काम को यादों से जोड़ता है।

यादें किसी व्यक्ति के लिए उतनी ही अनोखी होती हैं, जितनी कि उसके अंगूठे के निशान। अच्छी और स्थायी यादें बनाना जीवन में एक आशीर्वाद है। एक सुखद स्मृति हमें मुश्किल समय से गुजरने और हर चीज का सकारात्मक दृष्टिकोण से सामना करने में मदद कर सकती है। दिल को छू लेने वाली घटनाओं के साथ यादों के उद्धरण जोड़ने से उन्हें हमेशा याद रखने में मदद मिलती है। हमारी कई यादें हमें अपने प्रियजनों को याद करने और उनके द्वारा सिखाए गए सबक को याद करने की अनुमति देती हैं। यादें एक वरदान की तरह होती हैं और आपको अपने लिए एक जगह बनाने में मदद करती हैं। यादें अतीत की खिड़की होती हैं जो लोगों को भविष्य के लिए तैयार होने में मदद करती हैं। यादें ही हमारी रचना हैं। अपनी यादों पर चिंतन करना केवल यादों की गलियों में यात्रा करना नहीं है, बल्कि हमारे अतीत के उन सभी टुकड़ों पर नजर डालना है, जिन्होंने हमारे भविष्य का निर्माण किया है।

वही भविष्य, जो हम अभी जी रहे हैं। दूसरे शब्दों में अतीत के बिना कोई वर्तमान क्षण नहीं होता। यादें हमारे जीवन की समयरेखा पर एक प्रतीक चिह्न या 'मार्कर' के रूप में काम करती हैं। यादें वर्ष बीतने के साथ-साथ फीकी पड़ सकती हैं, लेकिन वे एक दिन भी पुरानी नहीं होती। जिस तरह कुछ यादें सहज जीवन में बाधक के रूप में काम करती हैं, उसी तरह कभी-कभी हम किसी पल का मूल्य तब तक नहीं जान पाते जब तक वह याद न बन जाए। यादें एक बगीचे की तरह होती हैं। नियमित रूप से सुंदर फूलों की देखभाल करते और आक्रामक खरपतवारों को हटाते रहना चाहिए।

महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा को फिल्म का ऑफर देने वाला डायरेक्टर गिरफ्तार , एक अन्य लड़की से कई बार बलात्कार; गर्भपात

महाकुंभ के जरिए सुर्खियों में आई एक लड़की मोनालिसा को फिल्म का ऑफर देने वाला डायरेक्टर सनोज मिश्रा रेप केस में फंस गया है। सनोज मिश्रा को इस केस में गिरफ्तार कर लिया गया है । उस पर झांसी की एक युवती ने बलात्कार का आरोप लगाया है। साथ ही डायरेक्टर पर उसका तीन बार गर्भपात करवाने का भी आरोप है। पीड़िता का कहना है कि सनोज मिश्रा ने उसे धमकी दी थी कि अगर किसी को बताया तो वह उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो वायरल कर देगा। जानकारी के अनुसार झांसी की युवती का कहना है कि डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उसे फिल्मों में काम दिलाने की बात कही थी। इस दौरान डायरेक्टर ने उससे संबंध बनाए और जबरदस्ती तीन बार गर्भपात भी करवाया। साथ ही वीडियो और अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकियां भी दीं। पीड़िता का कहना है कि उसकी सनोज मिश्रा से मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए हुई थी। इस दौरान उनकी चैट भी हुई और डायरेक्टर उससे मिलने झांसी पहुंच गया। पीड़िता का कहना है कि 18 जून, 2021 को डायरेक्टर उसे एक रिजॉर्ट में ले गया, जहां उसने नशीली चीज खिलाकर उससे

दुष्कर्म किया। इस दौरान सनोज मिश्रा ने उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी बना लिए तथा फिर उसे धमकियां देने लगा। सिलसिला यहीं नहीं रुका, डायरेक्टर ने उसे अलग-अलग जगह बुलाकर कई बार दुष्कर्म किया और फिल्में दिलवाने का लालच दिया। इस दौरान पीड़िता मुंबई में सनोज मिश्रा के साथ रहने लगी, जहां उसका कई बार शारीरिक शोषण हुआ। बहरहाल, दिल्ली पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर सनोज मिश्रा को अरेस्ट कर लिया है। बता दें कि सनोज मिश्रा ने महाकुंभ मेले में माला बेचने से सुर्खियों में आई मोनालिसा को दि मणिपुर डायरी में काम करने का भी ऑफर दिया है।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के फर्जी जाति प्रमाण पत्र की जांच की मांग कराये जाने हेतु आयुक्त अजा विभाग छानबीन समिति को सौंपी शिकायत

अजा वर्ग के अधिकारों का हनन, श्रीमती बागरी को अवैध रूप से जारी किया गया जाति प्रमाण पत्र निरस्त किया जाये: प्रदीप अहिरवार

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के फर्जी जाति प्रमाण पत्र की जांच कराये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसूचित जाति कल्याण विकास विभाग छानबीन समिति के आयुक्त के नाम संबोधित शिकायती पत्र विभाग के सहायक आयुक्त को सौंपते हुये जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। आयुक्त को प्रेषित शिकायत पत्र में कहा गया है कि भाजपा सरकार में मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी का अनुसूचित जाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र अवैध रूप से जारी किया गया है, वे अनुसूचित जाति वर्ग की न होकर ठाकुर/राजपूत समाज से आती हैं। जिससे अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के अधिकारों का हनन श्रीमती बागरी द्वारा किया गया है। वहीं श्री अहिरवार के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने छानबीन समिति को शपथ पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज सौंपे हैं, जो इस मामले की पुष्टि करते हैं। श्री अहिरवार ने कहा कि विंध्य, बुंदेलखंड, और महाकौशल क्षेत्र के बागरी अनुसूचित जाति वर्ग से संबंध न रखने के बावजूद, जाति नाम की समानता के आधार पर मालवा और निमाड़ क्षेत्र के वास्तविक अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

छानबीन समिति को सभी दस्तावेज शपथ पत्र सहित सौंपे हैं। हमारी मांग है कि प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण पत्र रद्द किया जाए। साथ ही, उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए और उनकी विधानसभा से सदस्यता शून्य घोषित की जानी चाहिए, जिससे रैगांव आरक्षित सीट पर पुनः चुनाव हो सके और वास्तविक अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्ति को मौका मिल सके। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने इस मुद्दे पर जल्द निर्णय लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उचित कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन इस अन्याय के खिलाफ आंदोलन करने एवं न्यायालय की शरण में जाने के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारी हेमंत नरवरिया, मुकेश बंसल, दर्शन कोरी, विनय मालवीय सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

प्रशासनिक व्यवस्था में भारी लापरवाही- विदिशा में बार-बार धक्का लगाकर चलने वाली सरकारी गाड़ियां

विदिशा। जिले में प्रशासनिक व्यवस्था की हालत पर सवाल उठने लगे हैं। एक बार फिर एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें कुछ लोग एंबुलेंस को धक्का लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और प्रशासन की सड़क की स्थिति और सुरक्षा उपायों पर गंभीर सवाल उठाए हैं,इससे पहले भी नगर पालिका की कचरा गाड़ी और विदिशा कोतवाली थाने की पुलिस जीप को धक्का लगते हुए वीडियो सामने आए थे। अब एक और वीडियो में एंबुलेंस को धक्का लगाते हुए कुछ लोग नजर आ रहे हैं, जो विदिशा जिले के हैदराबाद उपस्वास्थ्य केंद्र से संबंधित है। यह घटना प्रशासनिक लापरवाही और अव्यवस्था का उदाहरण बन गई है। इस वीडियो ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की व्यवस्था की पोल खोल दी है और साफ संकेत दिया है कि विभागों में समुचित ध्यान और व्यवस्था की भारी कमी है।

भोपाल में प्रॉपर्टी खरीदना हुआ महंगा

1312 लोकेशन पर औसत 11 प्रतिशत बढ़ी गाइडलाइन; एक दिन में रिकॉर्ड 1560 रजिस्ट्री

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में (1 अप्रैल) से प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो गया है। कुल 1312 लोकेशन पर कलेक्टर गाइडलाइन औसत 11 प्रतिशत तक बढ़ गई है। यानी, अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने पर लोगों को ज्यादा राशि चुकाना पड़ेगी। विरोध और दावे-आपत्ति के बाद प्रस्तावित गाइडलाइन में 7 प्रतिशत की कमी की गई थी। इससे पहले 31 मार्च को एक दिन में रिकॉर्ड 1560 रजिस्ट्री हुई। जिससे सरकार को 48 करोड़ रुपए की आय हुई। देर रात तक रजिस्ट्री का सिलसिला चलता रहा। 27 मार्च को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक हुई थी। इसमें भोपाल समेत 12 जिलों के पिछले 5 साल के आंकड़े दिखाकर गाइडलाइन फाइनल कर दी गई थी। इसी दिन इसे केंद्रीय मूल्यांकन कमेटी को

भेज दिया गया था और फिर उसे मंजूरी मिल गई थी। इससे पहले सोमवार देर रात तक रजिस्ट्री करवाने का दौर चलता रहा। कई लोगों ने पुराने रेट पर रजिस्ट्री करवाई। वरिष्ठ जिला पंजीयक स्वप्नेश शर्मा ने बताया, 1 अप्रैल से नई गाइडलाइन के हिसाब से ही प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री होगी।

कई इलाकों में गाइडलाइन ज्यादा बढ़ी- नए वित्त वर्ष की कलेक्टर गाइडलाइन पर राज्य सरकार ने मुहर लगा दी। औसत 11 प्रतिशत गाइडलाइन बढ़ी है, लेकिन शहरी इलाकों में बावड़िया और ग्रामीण इलाकों में रातीबड़-नीलबड़ जैसे 167 उन जगहों पर 50 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि की गई हैं। जहां प्रॉपर्टी की खरीद बिक्री ज्यादा है।

गौशाला पर दिए बयान से मचा बवाल, अखिलेश यादव के खिलाफ प्रदर्शन तेज

गुना। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के गौशाला को लेकर दिए बयान पर सियासत गर्मा गई है इस बयान को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं मध्यप्रदेश के गुना में बजरंग दल के, कार्यकर्ताओं ने इस बयान के खिलाफ प्रदर्शन किया और अखिलेश यादव का पुतला दहन किया। हनुमान चौराहे पर हुए इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बयान की कड़ी निंदा की बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं का कहना है कि अखिलेश यादव ने गौमाता और सनातन परंपरा का अपमान किया है और यह हिंदू आस्थाओं को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री राकेश शर्मा ने कहा कि गौशालाएं सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन्हें अपमानित करना निंदनीय है भाजपा एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने भी वाराणसी में अखिलेश यादव के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कहा कि गौमाता की सेवा करना गर्व की बात है गौशालाओं को लेकर की गई यह टिप्पणी पूरी तरह अनुचित है। फिरोजाबाद सहित कई अन्य शहरों में भी अखिलेश यादव के बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए गए कार्यकर्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौशाला श्रद्धा सेवा और भक्ति का प्रतीक है और इसे लेकर दिया गया यह बयान समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है,राजनीतिक गलियारों में इस बयान को लेकर घमासान मचा हुआ है हिंदू संगठनों और भाजपा नेताओं के विरोध के बाद अब यह मुद्दा और तूल पकड़ता जा रहा है।

व्हाट्सएप स्टेटस पर मचा बवाल, मिशनरी स्कूल में हिंदूवादी संगठनों का हंगामा और तोड़फोड़

जबलपुर। एक मिशनरी स्कूल को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों ने जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन ने हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक व्हाट्सएप स्टेटस लगाया। हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि स्कूल में धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जा रहा है और भगवान राम के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट डाली गई है। जब यह व्हाट्सएप स्टेटस वायरल हुआ तो हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते सैकड़ों कार्यकर्ता विजयनगर स्थित जॉय स्कूल के बाहर जमा हो गए और नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन के दौरान हिंदूवादी संगठनों और स्कूल प्रशासन के बीच तीखी झड़प हो गई। हंगामा बढ़ता देख प्रदर्शनकारियों ने स्कूल में तोड़फोड़ कर दी और कार्रवाई की मांग की।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और स्कूल प्रशासन से पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी गई है, इस घटना के बाद जबलपुर में तनाव का माहौल बन गया है। पुलिस हालात पर नजर बनाए हुए है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्कता बरती जा रही है।

नए वित्त साल के पहले दिन आसमान पर पहुंचा सोना, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनेंशियल ईयर के पहले दिन सोना एक बार फिर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा अनुबंध में 677 रुपये की बढ़त हुई और सोने का भाव 90,797 रुपये पर पहुँच गया। यह सोने का अब तक का सबसे ऊंचा भाव है। ट्रेड वॉर को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने के भाव में यह तेजी आई है। चांदी के मई वायदा अनुबंध में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। लेकिन यह 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के ऊपर बना रहा। आज यह 1,00,791 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला और इसमें 726 रुपये यानी 0.73प्रतिशत की तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना पहली बार 3,150 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। इस साल सोने की कीमत में 20 फीसदी तेजी आई है।

इससे पहले सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना और चांदी दोनों में मिला-जुला रुख रहा। सोने का जून वायदा अनुबंध 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 90,717 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी का मई वायदा अनुबंध 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,00,065 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति के ट्रेड टैरिफ से दुनिया भर में आर्थिक विकास की संभावनाओं पर असर पड़ रहा है। इसलिए लोग सुरक्षित निवेश के तौर पर सोना खरीद रहे हैं।

टैरिफ का डर- जानकारों का कहना है कि ग्लोबल इक्विटी मार्केट टैरिफ के डर से जूझ रहे हैं। रूस-यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की ईरान को धमकी से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ रहा है। इससे सोने की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। इस सप्ताह डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी ट्रेड टैरिफ के डर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एमसीएक्स पर सोने के लिए 90,350-90,000 रुपये पर सपोर्ट और 91,040-91,400 रुपये पर रेसिसटेंस है। चांदी के लिए 99,450-98,800 रुपये पर सपोर्ट और 1,00,800-1,01,650 रुपये पर रेसिसटेंस है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोने को 90,350 रुपये के आसपास खरीदें। इसके लिए 89,800 रुपये का स्टॉप लॉस रखें और 91,300 रुपये का टारगेट रखें। इसी तरह उन्होंने चांदी को 99,500 रुपये के आसपास खरीदने का भी सुझाव दिया है।इसके लिए 98,800 रुपये का स्टॉप लॉस रखें और 1,01,000 रुपये का टारगेट रखें।

फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप:

जू वेनजुन को टक्कर देंगी तान झोंगयी

शंघाई , चीन, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में महिलाओं के सबसे प्रतिष्ठित खिताब महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इस बार चीन के दो प्रमुख शहरों - शंघाई और चोंगकिंग - में किया जाएगा। मौजूदा विश्व चैम्पियन जू वेनजुन और चीन की ही चैलेंजर तान झोंगयी के बीच यह बहुप्रतीक्षित मुक़ाबला 1 से 23 अप्रैल 2025 के बीच खेला जाएगा।

यह चैंपियनशिप 12 मुकाबलों की एक क्लासिकल सीरीज के रूप में होगी। जो खिलाड़ी पहले 6.5 अंक प्राप्त करेगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। यदि स्कोर 6-6 पर बराबर रहता है, तो रैपिड और आवश्यकता पड़ने पर ब्लिट्ज टाईब्रेक के माध्यम से विजेता तय किया जाएगा। जू वेनजुन मौजूदा महिला विश्व शतरंज चैंपियन हैं। उन्होंने 2018 में पहली बार तान झोंगयी को हराकर विश्व खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2018 में नॉकआउट टूर्नामेंट, 2020 में गोरयाचकिना, और 2023 में लेई टिंगजी के खिलाफ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। जू की ताकत केवल क्लासिकल में ही नहीं है - उन्होंने 2017 और 2018 में वुमेन्स वर्ल्ड रैपिड और 2024 में वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप भी जीती है। वे चीन की स्वर्ण पदक विजेता ओलंपियाड टीम (2016, 2018) और विश्व टीम चैंपियनशिप (2009, 2011) का हिस्सा रही हैं। तान झोंगयी ने 2017 में अन्ना मुजिचुक को हराकर विश्व खिताब जीता था और उसके बाद से वह विश्व स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि 2018 में वे जू वेनजुन से खिताब हार गईं, लेकिन उन्होंने 2022 में वर्ल्ड रैपिड और 2024 में कर्न्स कप जैसे प्रतिष्ठित खिताब जीते। 2024 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार की चैलेंजर बनाया।

मारियाना ट्रेंच, समुद्र की ऐसी रहस्यमय जगह जहां पूरा हिमालय समा जाए

सूरज की रोशनी जहां कभी नहीं पहुंची। कहीं बर्फीला पानी तो कहीं उबाल देने वाले स्प्रिंग्स। प्रेशर इतना कि इंसान की हड्डियां पल में चकनाचूर हो जाएं। पानी की सतह से 11 हजार मीटर नीचे बसती है एक दुनिया जिसने समेट रखी हैं कई पहेलियां और होश उड़ा देने वाले नजारे। जिसकी तुलना चांद की सतह से की जाती है और जहां दूसरे ग्रहों की तरह वैज्ञानिक जीवन की खोज में जुटे रहे- ये है कहानी दुनिया के सबसे गहरे पॉइंट मारियाना ट्रेंच की।

धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक मारियाना ट्रेंच की गहराई इसे धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बनाती है। यहां सूरज की रोशनी पहुंचती नहीं और अंधेरे की चादर हमेशा कायम रहती है। उस पर से शून्य डिग्री सेल्सियस का जमा देने वाला तापमान। सबसे भयानक होता है पानी का दाब जो इंसानी हड्डियों को पल में चकनाचूर कर सकता है। यहां हर स्क्वेयर इंच पर 8 टन का दबाव होता है जो गहराई के साथ और भी ज्यादा बढ़ता जाता है। पानी का यह दबाव इंसानी शरीर पर इस तरह असर करता है कि ऐसा कोई भी हिस्सा जहां हवा भरी हो, वह बाकी नहीं रह जाता। धीरे-धीरे फेफड़े धंस जाते हैं और हड्डियां टूट जाती हैं। मारियाना ट्रेंच धरती की सबसे बाहरी सतह, क्रस्ट की सबसे गहरी जगह है। यह कितना गहरा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट को ट्रेंच के सबसे गहरे पॉइंट पर रख दिया जाए तो भी उसकी चोटी समुद्र स्तर से 7 हजार फीट नीचे ही रह जाएगी। दो टेक्टॉनिक प्लेटों- पैसिफिक और मारियाना- की टक्कर से मारियाना ट्रेंच बना है। इसमें एक प्लेट दूसरी के नीचे दब गई जिसकी वजह से पुराना और घना क्रस्ट नीचे की सतह मैंटल में धंस गया।

गहरे समंदर की इस अंजान दुनिया में पहली बार कदम रखा था ओशियनॉग्रफर जैक पीका और लेफ्टिनेंट डॉन वॉल्श ने। 23 जनवरी 1960 को Trieste नाम की सबमर्सिबल की खिड़की से बाहर झांकते हुए दोनों ऐसे नजारों के गवाह बने जो पहले किसी ने नहीं देखे थे। उनके अनुभव जानने के बेताब दुनिया के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि

क्या इतनी गहराई, ठंडे पानी और भयानक दबाव में जीवन की संभावना है? चार घंटे और 47 मिनट में सतह पर पहुंचने पर रेत में हुई हलचल की वजह से दोनों कोई तस्वीर नहीं ले सके लेकिन उनकी आंखों ने जो देखा उस पर लंबे वक्त तक बहस चलती रही। जैक ने खिड़की को खिड़की से बाहर एक फ्लैटफिश नजर आई। उन्होंने फौरन वॉल्श को बताया। वॉल्श ने भी इस मछली को देखा और तभी नीचे से निकली रेत उनकी खिड़की के सामने आ गई। हालांकि, मरीन बायॉलजिस्ट्स ने दावा किया कि इतने दबाव में मछलियों का होना नामुमकिन है और पीका और जैक्स ने जो देखा वह कुछ और रहा होगा लेकिन अमेरिकी नौसेना के इन अनुभवी अफसरों ने साफ-साफ कहा कि जब तक वैज्ञानिक उन्हें गलत साबित नहीं कर देते वे यह मानते रहेंगे कि उन्होंने जो देखा वह मछली ही थी। इस मिशन के बाद भी यह सवाल बना रहा कि क्या मारियाना ट्रेंच में जीवन मुमकिन है।

...तो क्या यहां मुमकिन है जीवन?

मारियाना ट्रेंच पर जीवन के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन जीवन जरूर फल-फूल रहा है। वह बताते हैं, बिना रोशनी, एसिड, तापमान और दबाव जैसी स्थितियों में भी हैरान कर देने वाली संख्या में जीव यहां पाए जाते हैं। 200 से ज्यादा सूक्ष्मजीवियों से लेकर क्रस्टेशियन और ऐंफपॉड समेत सी क्युकूंबर, ऑक्टोपस और मछलियां यहां मौजूद हैं। साल 2014 में गुआम के पास सबसे गहराई में 8000 मीटर नीचे पाई जाने वाली स्नेलफिश की खोज की गई। जेम्स कैमरन ने जो तस्वीरें लीं उनमें एकदम गहराई में भी समुद्री जीवन देखा जा सका। इन पर वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि आखिर यहां जीवन कैसे मुमकिन है।

इन परिस्थितियों में भी कैसे पनप रहा है जीवन?

माना जाता रहा कि दबाव की वजह से कैल्शियम, जिससे हड्डियां बनती हैं, वह रह ही नहीं सकता है। बिना हड्डियों के मछलियों के जीवन पर भी सवाल बना रहा। हालांकि, डॉ. राम करन बताते हैं कि प्रकृति विज्ञान को हैरान करती रही है और मारियाना में स्नेलफिश का पाया जाना इसका सबूत है। उन्होंने बताया है, सतह के पास रहने वाली मछलियों में तैरने के लिए ब्लैडर होता है जिसमें हवा भरी होती है। इसकी मदद से वे ऊपर-नीचे करती हैं लेकिन गहराई में रहने वाली मछलियों में ये एयर-बैग नहीं होते हैं। इसलिए दबाव का इन पर असर नहीं होता। यही नहीं, यहां पाए जाने वाले जीवों में हड्डियों के अलावा कार्टिलेज पर ज्यादा निर्भरता होती है। इनके खोपड़ों में भी जगह खाली रहती है ताकि टूटने का खतरा कम हो। सबसे बड़ा बदलाव जेनेटिक स्तर पर हुआ है। किसी भी प्रक्रिया के लिए उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन अपनी संरचना स्थिरता के साथ बदल सकें, इसके लिए जरूरी TMAO (ट्राईमिथिलअमीन-ऑक्साइड) को बनाने वाले जीन की स्नेलफिश में ज्यादा कॉपी पाई गईं। बर्फीले पानी में रहने के लिए इन जीवों में ऐसे फैट होते हैं जो जमते नहीं हैं।

इसके अलावा अंधेरा होने के बावजूद के बाद कुछ जीव तेज नजर पर भरोसा करते हैं तो कुछ स्पर्श और वाइब्रेशन की मदद लेते हैं। कुछ खुद की रोशनी पैदा करते हैं जिससे शिकार को पकड़ा जाता है और खुद शिकार होने से बचा जाता है। सूरज की रोशनी के बिना होने वाली खाने की कमी ऊपर से आने वाले मृत जीवों के अवशेषों से लेकर लकड़ी के टुकड़ों तक पर निर्भर करते हैं।

यहां रिसर्च में क्यों जुटे हैं वैज्ञानिक?

किसी भी ट्रेंच में छिपे रहस्यों को उजागर करने से दवाओं, खाद्य, ऊर्जा स्रोत जैसे उत्पाद तो मिल ही सकते हैं, भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से बचने की तैयारी की जा सकती है। सबसे बड़े जिस सवाल का जवाब यहां छिपा हो सकता है वह है धरती के पर्यावरण में हो रहा बदलाव। इतने गहरे पानी, अंधेरे, दबाव और तापमान के हालात में रह रहे जीवों का विज्ञान हमें बता सकता है कि उनमें विकास कैसे हुआ। रिसर्चर्स को गहरे समुद्र में रहने वाले ऐसे सूक्ष्मजीवी मिले हैं जो ऐंटीबायॉटिक और ऐंटी-कैंसर दवाओं के काम आ सकते हैं। ऐसे में यहां रिसर्च से डायबिटीज के इलाज से लेकर लॉन्ड्री डिटर्जेंट जैसी जरूरतों तक को पूरा किया जा सकेगा।

ये है दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक, इससे बने मोजे की कीमत में खरीद सकते हैं सोना

इस दुनिया में सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी चीज मौजूद है। इसे खरीदने वाले भी अलग-अलग बजट के लोग होते हैं। कुछ लोग महंगी चीज खरीदना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को सस्ती और बजट के अंदर मिलने वाली चीज पसंद आती है। कुछ ब्रांड ऐसे हैं जिनकी वैल्यू बहुत ज्यादा होती है इसलिए यह महंगे मिलते हैं। आपने अब तक सस्ती से महंगी कई चीजों के बारे में सुना होगा। आप में से सभी लोगों ने सस्ते से महंगी हर तरह की चीजों की खरीदी की होगी और उनका उपयोग भी किया होगा। इस दौरान क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगा कपड़ा कौन सा होगा। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक के बारे में बताते हैं। यह इतना ज्यादा महंगा है कि अगर आप इसके मोजे भी खरीदना चाहे तो आपको अपनी गाड़ी बेचनी पड़ सकती है।

विकुना है सबसे महंगा फैब्रिक

दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक की बात करें तो यह कोई और नहीं बल्कि विकुना है। इसकी कीमत का अंदाजा इससे बने हुए कपड़ों से आसानी से लगाया जा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इससे बने हुए मोजे की कीमत 80000 रुपए से शुरू होती है। अगर आपको इससे बनी टी-शर्ट खरीदनी है तो आपको लाखों रुपए चुकाने पड़ सकते हैं। शर्ट खरीदना हो तो यह कीमत 5 लाख से ऊपर जा सकती है। पैंट की कीमत 8 लाख से ज्यादा हो सकती है। वहीं अगर कोट खरीदना है तो शायद 11 लाख रुपए से ऊपर चुकाना होंगे।

कहां मिलता है

दुनिया का सबसे महंगा कपड़ा विकुना एक दुर्लभ ऊन है, जो दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वतों में मिलता है। ये बहुत ही मुलायम, महीन और गर्म होता है। हालांकि, इससे बने कपड़े आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

क्यों है महंगा

दुनिया का यह सबसे महंगा फैब्रिक ऊंट के ऊन से तैयार होता है। यह ऊंट आम नहीं होते बल्कि बहुत ही खास प्रजाति के होते हैं, जो धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं। 1960 में इन्हें दुर्लभ प्रजाति घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद इन्हें पालने के नियम भी सख्त बना दिए गए थे। इस ऊंट से जो ऊन निकलता है वह 12 से 14 माइक्रोन मोटा होता है। यह इतना ज्यादा गर्म होता है कि सर्दी आपको छू भी नहीं सकती। हालांकि, एक कोट बनाने के लिए कम से कम 35 ऊंटों का ऊन निकलेगा तब जाकर कोट तैयार होगा। दुर्लभ प्रजाति के ऊंट के ऊन से तैयार होने के कारण ही यह फैब्रिक इतना महंगा है।

दिल्ली में पुरानी गाड़ियों को मिलता रहेगा डीजल-पेट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 15 साल या उससे ज्यादा पुरानी गाड़ियों को अभी डीजल-पेट्रोल मिलता रहेगा। इससे पहले दिल्ली सरकार ने फैसला लिया था कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण कम करने के लिए 15 साल और उससे ज्यादा पुराने वाहनों को 1 अप्रैल से पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इस फैसले में देरी हो सकती है, क्योंकि सभी स्थानों पर जरूरी उपकरण नहीं लगाए गए हैं।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि 1 अप्रैल से राजधानी में रिफिल स्टेशनों पर ओवरएज वाहनों को ईंधन नहीं देने के दिल्ली सरकार के फैसले में देरी हो सकती है। अभी तक सभी स्थानों पर जरूरी उपकरण नहीं लगाए गए हैं। मंत्री ने बताया कि सरकार सुचारू बदलाव सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया में तेजी ला रही है। सोमवार रात को एक बैठक होगी, जिसमें यह

तय किया जाएगा कि कितना काम बाकी है और यह कब से लागू किया जा सकता है।

सिरसा ने माना कि कुछ स्थानों पर अभी भी जरूरी सुविधाओं का अभाव है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुविधाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास जारी हैं। कहा कि इसे जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर अभी भी जरूरी उपकरण नहीं लगाए गए हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि वे जल्द से जल्द लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि उचित प्रबंधन के बिना इसे शुरू करने के बजाय इसमें देरी करना बेहतर है।

मार्च की शुरुआत में पर्यावरण मंत्री ने घोषणा की थी कि 1 अप्रैल से राजधानी भर के रिफिल स्टेशनों पर 15 साल या उससे ज्यादा पुराना वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा।

मंत्री ने कहा कहा था कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि दिल्ली के सभी ईंधन स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे हों, जो रजिस्ट्रेशन के वर्ष के आधार पर वाहन की आयु निर्धारित करेंगे। जो वाहन मानदंडों को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें ईंधन नहीं दिया जाएगा और दंडित किया जाएगा। कहा था कि इंस्टॉलेशन और सॉफ्टवेयर कनेक्शन 31 मार्च तक पूरा हो जाएगा।

इस फैसले के कार्यान्वयन को लेकर समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि नीति को जल्द से जल्द लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी ईंधन स्टेशनों को पूरी तरह से सुसज्जित होने में कुछ और दिन लग सकते हैं। कहा कि वह ऐसी स्थिति नहीं चाहते हैं जहां कुछ स्थानों पर यह शुरू हो जाए जबकि अन्य पर बाकी रहे।

सिरसा ने यह भी कहा कि वे वर्तमान में यह आकलन कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में कितनी प्रगति हासिल की जा सकती है। आज रात तक रोलआउट टाइमलाइन पर अंतिम निर्णय होने की उम्मीद है। इस बीच, मंत्री ने राजौरी में सीवर नवीनीकरण और जल लाइन परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

केजरीवाल सरकार के एक और काम पर लटकी जांच की तलवार, दिल्ली के स्कूलों से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली एजेंसी। राजधानी दिल्ली में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार की अब स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) फंड पर सीधी नजर है। पूर्व 'आप' सरकार ने फंड का कितना दुरुपयोग या सदुपयोग किया, सरकार इसका पता लगाने के लिए जांच कमेटी गठित कर सकती है।

यही नहीं, कहां कितना पैसा खर्च किया, इसकी भी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने पर विचार कर रही है। पूर्व की आप सरकार में बजट में इस फंड का अलग से प्रावधान था। विशेष बात है कि भाजपा सरकार ने बीते डेढ़ माह में स्कूल शिक्षा में तीन करिकुलम में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। 'आप' सरकार के देशभक्ति करिकुलम को बदलकर राष्ट्रनीति, हैप्पीनेस करिकुलम के स्थान पर साइंस ऑफ लिविंग, उद्यमी माइंडसेट करिकुलम को बदलकर उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र और विजन का नया युग (एनईईईवी) जैसी नई पहल शुरू करने की सरकार तैयारी कर रही है। ऐसे में अब एसएमसी फंड का अस्तित्व रहेगा या नहीं इस पर संशय बना हुआ है। शिक्षा निदेशालय के सूत्रों के मुताबिक, भाजपा सरकार इस फंड को भंग या दोबारा से लागू कर सकती है। इसके बदले कुछ और फंड स्कूलों को दे सकती है। शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसे लेकर शिक्षा विभाग में दो से तीन बार बैठक भी हो चुकी हैं। ऐसे में जल्द ही इस पर फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कुछ शुरुआती आंकड़े भी जुटाने के लिए अधिकारियों से कहा है। उन्होंने बताया कि कई बार स्कूलों में कम बजट या क्षमता के मुताबिक, स्कूलों को फंड नहीं मिलता था, लेकिन इस पर कोई जांच नहीं होती थी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इस फंड का 50 फीसदी पैसा रखरखाव संबंधी कार्यों और बाकी 50 फीसदी एसएमसी की पहल पर खर्च करना होता है। इसके दिशा-निर्देशों के अनुसार, अगर किसी स्कूल में 1500 बच्चे हैं तो उस स्कूल की एसएमसी को 5 लाख रुपये, 1501 से लेकर 2500 तक की संख्या वाले स्कूलों को 6 लाख रुपये दिए जाते हैं। अगर किसी स्कूल में बच्चों की संख्या 2500 से ऊपर है तो उस स्कूल की एसएमसी को 7 लाख रुपये सालाना देते हैं।

दिल्ली में 5000 जगहों पर पानी वाला एटीएम लगाने जा रही है भाजपा सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार लोगों को साफ-स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए पांच हजार वाटर एटीएम लगाने की योजना शुरू करने जा रही है। वाटर एटीएम से लोगों को पीने योग्य पानी किफायती दरों पर उपलब्ध होगा। योजना के पहले चरण में यह वाटर एटीएम व्यवसायिक केंद्र और बाजारों में लगाए जाएंगे।

जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि हम वाटर एटीएम से पानी उपलब्ध कराने के अलावा यह भी तलाश रहे हैं कि क्या इन मशीनों में इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की बोतलें वापस लेने की सुविधा हो, जिससे उसे रिसाइकल करके दोबारा प्रयोग में लाया जा सके। सरकार का कहना है कि प्रारंभिक चरण में इन मशीनों का प्रयोग भीड़ भाड़ वाले इलाके में किया जाएगा। इसमें व्यवसायिक केंद्र और बाजारों को चिन्हित किया गया है। उसके बाद उन इलाकों में भी प्राथमिकता दी जाएगी जहां पर पाइपलाइन नहीं है। वहां पीने योग्य पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे पानी के टैंकर पर निर्भरता भी कम होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना पीपीई मॉडल पर शुरू की जाएगी। बताते चलें कि एनडीएमसी एरिया में भी वाटर एटीएम का प्रयोग पहले हो चुका है। मगर रखरखाव के अभाव में उसमें से ज्यादातर मशीनें खराब पड़ी हैं। उसका कारण कंपनी के साथ अनुबंध का समाप्त होना है। दिल्ली सरकार की योजना है कि वह जिन इलाकों में वाटर एटीएम लगाएगी, वहां के मार्केट

एसोसिएशन और आरडब्ल्यूए की भागीदारी सुनिश्चित करेगी। इससे वाटर एटीएम सुरक्षित रहेगा। उसमें तोड़-फोड़ की आशंका खत्म होगी। वाटर एटीएम से पानी लेने के लिए न्यूनतम दरें देनी होंगी। हालांकि अभी तक दरें तय नहीं हुई हैं। सरकार का कहना है कि जल्द ही इस योजना को अंतिम रूप देकर इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। बताते चलें कि दिल्ली में यह पहला मौका नहीं है जब वाटर एटीएम स्थापित किए जाएंगे। पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने भी जुलाई 2024 में भी चार वाटर एटीएम के साथ इस योजना की शुरुआत की थी। यह क्लस्टर झुग्गियों के अंदर शुरू किए गए थे। इसका मकसद झुग्गियों में साफ पीने का पानी उपलब्ध कराना था। उस समय सरकार ने 500 वाटर एटीएम लगाने की घोषणा की थी लेकिन चार ही लग पाएं थे। उसमें लोगों को पानी के लिए 2500 स्मार्ट कार्ड भी बांटे गए थे। जिसके जरिए दिन में अधिकतम 20 लीटर पानी उससे लिया जा सकता है।

सरोगेसी से बच्ची को जन्म देने वाली महिला उसकी जैविक मां नहीं

नई दिल्ली एजेंसी। सरोगेसी के माध्यम से बच्ची को जन्म देने वाली महिला डॉली उसकी जैविक मां नहीं है। यह खुलासा महिला एवं उसके पति की डीएनए जांच रिपोर्ट से हुआ है। दिल्ली एयरपोर्ट पुलिस द्वारा यह जानकारी अदालत में दी गई है। इसके साथ ही पुलिस बच्ची की असली मां का पता लगाने को सरोगेसी के लिए कोख किराये पर लेने वाली महिला और उसके पति की डीएनए टेस्ट रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस मामले में जन्म लेने वाली बच्ची दो वर्ष की हो चुकी है और वह अनाथालय में ही रहती है।

पुलिस के अनुसार, अप्रैल 2023 में एयरपोर्ट से नवजात बच्ची को लेकर जा रही एक महिला को गिरफ्तार किया गया था। वह इसे बेचने के लिए हैदराबाद ले जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद उसने पुलिस को बताया कि इस बच्ची को डॉली नामक महिला ने जन्म दिया है। सरोगेसी के माध्यम से उसका जन्म हुआ है, लेकिन सरोगेसी करवाने वाली महिला बेटी होने के चलते उसे अपनाना नहीं चाहती। इस मामले में बच्ची को जन्म देने वाली महिला डॉली को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जांच में उन्हें पता चला कि सोनिका नामक महिला की पहले से दो बेटियां हैं। ऐसे में वह किसी भी कीमत पर बेटा पाना चाहती थी।

बुलडोजर ऐक्शन ने हमारी 'अंतरात्मा' को झकझोर दिया है

● सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में बुलडोजर ऐक्शन पर जताई नाराजगी ● कहा-यह अमानवीय, 10-10 लाख मुआवजा देने का आदेश

प्रयागराज (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी को 2021 में मकान गिराने पर फटकार लगाई। कोर्ट ने अधिकारियों के इस बुलडोजर ऐक्शन को अमानवीय, अवैध बताया। कहा, इस कार्रवाई के दौरान दूसरों की भावनाओं और अधिकारों का ख्याल नहीं रखा गया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने कहा, देश में लोगों के रिहायशी घरों को इस तरह से नहीं गिराया जा सकता है। इसने हमारी अंतरआत्मा को झकझोर दिया है। प्रयागराज प्रशासन ने 2021 में गैंगस्टर अतीक की प्रापर्टी

समझकर एक वकील, प्रोफेसर और 3 अन्य के मकान गिरा दिए थे। सुप्रीम कोर्ट में वकील जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों ने याचिका दाखिल की थी। ये वो लोग हैं, जिनके मकान तोड़े गए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इनकी याचिकाएं ठुकरा दी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने डेवलपमेंट अथॉरिटी को आदेश दिया कि जिनके मकान गिराए गए हैं, उन्हें 6 हफ्तों के भीतर 10-10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राइट टु शेल्टर नाम भी कोई चीज होती है। उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है।

इस तरह की कार्रवाई किसी तरह से भी ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने यूपी के अंबेडकर नगर में 24 मार्च की घटना का जिक्र करते हुए कहा,अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक तरफ झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा था तो दूसरी तरफ एक 8 साल की बच्ची अपनी किताब लेकर भाग रही थी। इस तस्वीर ने सबको शॉक्ड कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में जब पहले इस केस की सुनवाई हुई तो पीड़ितों की तरफ से वकील अभिमन्यु भंडारी ने दलील दी। उन्होंने कहा था,अतीक अहमद नाम का एक गैंगस्टर था, जिसकी 2023 में हत्या कर दी गई थी।

अफसरों ने पीड़ितों की जमीन को अतीक की जमीन समझ लिया। उन्हें (राज्य को) अपनी गलती स्वीकार कर लेनी चाहिए। इस दलील पर यूपी सरकार ने कहा था कि हमने याचिकाकर्ताओं को नोटिस का जवाब देने के लिए उचित समय दिया गया था।